

वडवा कुम्भदासी च

Str. 542, 96.

पुत्रे तु कुलधारकः ।

स दायादो द्वितीयश्च

Str. 542, 97.

पुत्र्यां धीदा समर्थुका ॥ ११३ ॥

देहसंचारिणी चापि

Str. 543, 99.

अपत्ये संतानः संततिः ।

Str. 544, 4. नत्ता तु ड्हितुः पुत्रे

Str. 552, 29.

स्यात्कनिष्ठे तु कन्यसः ॥ ११४ ॥

Str. 554, 36. ज्येष्ठभगिन्यां तु चोरभवन्ती

Str. 556, 39.

स्यात्तु नर्मणि ।

सुषोत्साचारगरसो विनोदो ऽपि किलो ऽपि च ॥ ११५ ॥

Str. 556, 40. वाप्यो जनित्रा रेतोधास्ताते

Str. 558, 45.

ज्ञानी तु मातरि ।

Str. 564, 66. देहे सेनं प्रजनुकश्चनः शाखं खडङ्गकम् ॥ ११६ ॥

व्याधिस्थानं च

Str. 566, 72.

देहैकदेशे गात्रं

Str. 568, 76.

कचे पुनः ।

वृत्तिनो वेष्टिताग्रो ऽस्तः

Str. 570, 81.

धम्मिल्लो मौलिजूट्कौ ॥ ११७ ॥

Str. 570, 82. पर्परी तु कवर्या स्यात्

Str. 570, 85.

प्रलेभ्यो विशदे कचे ।

Str. 572, 90. मुखे दन्ताल्यस्तेरं घनं वरं घनोत्तमम् ॥ ११८ ॥

Str. 574, 96. कर्णप्रातस्तु धारा स्यात्कर्णमूलं तु शीलकम् ।

Str. 575, 99. अक्षिणा रूपग्रहो देहदीप

Str. 581, 18.

नासा तु गन्धहृता ॥ ११९ ॥